

Badische Landesbibliothek Karlsruhe

Digitale Sammlung der Badischen Landesbibliothek Karlsruhe

Kalendarium

[urn:nbn:de:bsz:31-338927](https://nbn-resolving.org/urn:nbn:de:bsz:31-338927)

Das Jahr 1949

Ist ein Gemeinjahr von 365 Tagen oder 52 Wochen und einem Tag

Es beginnt am Samstag, den 1. Januar. — Die griechische Kirche beginnt mit dem 14. September 1949 das 7458ste Jahr ihrer Zeitrechnung seit der Welterschöpfung, die sie auf das Jahr 5509 v. Chr. verlegt. Die Russen haben am 12. Juni 1923 unseren Gregorianischen Kalender übernommen. Die Juden beginnen am 24. September 1949 ihr 5710tes Jahr seit Erschaffung der Welt. — Die Völker des Islams zählen seit der Flucht ihres Propheten Mohammed von Mekka nach Medina ihr 1369stes Jahr, das sie beginnen am 24. Oktober 1949. Es hat 355 Tage. Die Türkei hat am 1. Januar 1926 unseren Gregorianischen Kalender eingeführt.

Jahresregent ist der Planet Merkur.

Die Jahreszeiten: Am 20. März tritt die Sonne um 23 Uhr 49 Minuten in das Zeichen des Widder und bringt uns damit den Frühling. Tag und Nacht sind gleich. — Am 21. Juni um 19 Uhr 3 Minuten kommt die Sonne in das Zeichen des Krebses. Damit beginnt der Sommer. Wir haben da den längsten Tag und die kürzeste Nacht. Der Herbst nimmt seinen Anfang, wenn die Sonne in das Zeichen der Waage tritt. Dies geschieht am 23. September um 10 Uhr 6 Minuten. Nacht und Tag sind wiederum gleich. — Der gestrenge Winter aber kommt zur Herrschaft beim Eintritt der Sonne in das Zeichen des Steinbocks, was sich ereignet am 22. Dezember um 5 Uhr 24 Minuten. Nun haben wir den kürzesten Tag und die längste Nacht.

Finsternisse: Im Jahre 1949 finden zwei Sonnenfinsternisse und zwei Mondfinsternisse statt.

Von der totalen Mondfinsternis am 13. April ist in Deutschland nur der Anfang sichtbar. Mitte der Finsternis: 5.11 Uhr (MEZ). Der Verlauf der Finsternis kann beobachtet werden im Westteil des Indischen Ozeans und im südwestlichen Asien, in Europa, Afrika, auf dem Atlantischen Ozean, in der Arktis und der Antarktis, in Nord- und Südamerika und im Ost- und im Mittelteil des Stillen Ozeans.

Am 28. April kann ebenfalls in Deutschland die partielle Sonnenfinsternis beobachtet werden. Anfang 7.16 Uhr (MEZ). Die Finsternis ist weiterhin sichtbar in der Arktis, in Grönland, in Europa, im Mittelmeer (mit Ausnahme des östlichen Teils), im Nordwestteil von Afrika und im nordöstlichen Teil des Atlantischen Ozeans.

Auch das Schauspiel der totalen Mondfinsternis am 7. Oktober kann in Deutschland beobachtet werden. Die Finsternis ist sichtbar im westlichen Asien, in Europa, im Westteil des Indischen Ozeans, in Afrika, im Atlantischen Ozean, in der Arktis und der Antarktis, in Nord- und Südamerika und im östlichen und im mittleren Stillen Ozean. Mitte der Finsternis 3.56 Uhr (MEZ).

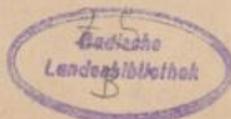
Die partielle Sonnenfinsternis am 21. Oktober ist dagegen in Deutschland nicht sichtbar. Die Finsternis kann beobachtet werden in der Antarktis, im östlichen und im mittleren Australien, auf Neuseeland und im Südwestteil des Stillen Ozeans.

Hinweis: Es bedeutet: HJF = Herz-Jesu-Freitag, ☉ = Neumond, ☾ = erstes Viertel, ☽ = Vollmond, ☾ = letztes Viertel.

Zeichen des Mondlaufs: ♈ = Widder, ♉ = Stier, ♊ = Zwilling, ♋ = Krebs, ♌ = Löwe, ♍ = Jungfrau, ♎ = Waage, ♏ = Skorpion, ♐ = Schütze, ♑ = Steinbock, ♒ = Wassermann, ♓ = Fische.

Bewegliche feste von 1949 bis 1954

| | 1949 | 1950 | 1951 | 1952 Schaltjahr | 1953 | 1954 |
|--------------------|-----------|-----------|-----------|--------------------|-----------|-----------|
| Septuagesima | 13. Febr. | 5. Febr. | 21. Jan. | 10. Febr. | 1. Febr. | 14. Febr. |
| Aschermittwoch | 2. März | 22. Febr. | 7. Febr. | 27. Febr. | 18. Febr. | 3. März |
| Ostern | 17. April | 9. April | 25. März | 13. April | 5. April | 18. April |
| Himmelfahrt | 26. Mai | 18. Mai | 3. Mai | 22. Mai | 14. Mai | 27. Mai |
| Pfingsten | 5. Juni | 28. Juni | 13. Mai | 1. Juni | 24. Mai | 6. Juni |
| Fronleichnam | 16. Juni | 8. Juli | 24. Mai | 12. Juni | 4. Juni | 17. Juni |
| Erntedank | 2. Okt. | 1. Okt. | 30. Sept. | 5. Okt. | 4. Okt. | 3. Okt. |
| 1. Advents Sonntag | 27. Nov. | 3. Dez. | 2. Dez. | 30. Nov. | 29. Nov. | 28. Nov. |



DAS NEUE JAHR

Die Nacht entflieht,
der Schlaf den Augenlidern.

Willkommen, junger Tag, mit deinen Brüdern!
Wo bist du denn, du liebes neues Jahr?

Da steht es in des Morgenlichtes Prangen,
Es hat die ganze Erde rings umfangen
Und schaut ihm in die Augen ernst und klar.

Begrüßt du Menschenherz mit deinen Schwächen,
Du Herz voll Kraft und Feue und Gebrechen,
Ich bringe neue Prüfungszeit vom Heren! —

Begrüßt du neues Jahr mit deinen Freuden,
Das Leben ist so süß, und wären's Leiden,
Ach, alles nimmt man mit dem Leben gern!

Menschenherz, wie ist dein Haus zerfallen!
Wie magst du doch, du Erbe jener Hallen,
Wie magst du wohnen in so wüstem Braus?

Neues Jahr, ich bin ja nie daheim,
Ein Hardersmann durchzieh' ich ferne Räume,
Es heißt wohl so, es ist doch nicht mein Haus!

△

ANNETTE VON DROSTE-HÜLSHOFF

JANUAR

| | Wochentag | Mond- | | Sonne- | | Bemerkungen |
|---|-----------|--------------------------------|---------|--------|---------|-------------|
| | | Aufg. | Unterg. | Aufg. | Unterg. | |
| 1. Woche. Ev. Der Erbsen der Welt Mt 2, 21; Ep. Tit 2, 11-15 | | | | | | |
| ☾ | 1 | Neujahr, Fulgentius | 9.53 | 18. 6 | 7.55 | 16.12 |
| 2. Woche. Fest des Namens Jesu Ev. Der Name Jesu. Mt 2, 21 Ep. Apg 4, 8-12 | | | | | | |
| ☾ | 2 | Adelheid; Mararius | 10.18 | 19.18 | 7.55 | 16.13 |
| M | 3 | Genoveva; Florentius | 10.38 | 20.28 | 7.55 | 16.14 |
| D | 4 | Titus; Angela | 10.53 | 21.36 | 7.54 | 16.16 |
| M | 5 | Eduard; Emilie | 11. 7 | 22.43 | 7.54 | 16.17 |
| D | 6 | Dreikönig | 11.20 | 23.49 | 7.54 | 16.18 |
| F | 7 | Valentin; Luzian; Sigrid; HJF | 11.33 | — | 7.54 | 16.19 |
| ☾ | 8 | Severin; Erhard; Gudula | 11.47 | 0.58 | 7.53 | 16.20 |
| 3. Woche. 1. Sonntag nach Dreikönig Fest der Hl. Familie Ev. Der zwölfjährige Jesus Mt 2, 42-52; Ep. Röm 12, 1-5 | | | | | | |
| ☾ | 9 | Julian; Siegbert | 12. 3 | 2. 7 | 7.53 | 16.22 |
| M | 10 | Wilhelm v. B.; Christiane | 12.24 | 3.20 | 7.52 | 16.23 |
| D | 11 | Alwin; Hygin | 12.52 | 4.38 | 7.52 | 16.24 |
| M | 12 | Ernst v. Zwiefalten; Arkadius | 13.31 | 5.53 | 7.51 | 16.25 |
| D | 13 | Gottfried; Veronika | 14.26 | 7. 4 | 7.51 | 16.27 |
| F | 14 | Hilarius; Felix | 15.37 | 8. 3 | 7.50 | 16.28 |
| ☾ | 15 | Paulus der Eins.; Maurus; Ida | 17. 0 | 8.47 | 7.50 | 16.30 |
| 4. Woche. 2. Sonntag nach Dreikönig Ev. Hochzeit zu Kana Jo 2, 1-11; Ep. Röm 12, 6-16 | | | | | | |
| ☾ | 16 | Marzell; Roland | 18.29 | 9.20 | 7.49 | 16.31 |
| M | 17 | Anton der Einsiedl.; Samesbert | 19.57 | 9.44 | 7.48 | 16.33 |
| D | 18 | Petri Stuhlfeier; Priska | 21.22 | 10. 4 | 7.47 | 16.34 |
| M | 19 | Marius; Martha; Knut | 22.45 | 10.21 | 7.47 | 16.36 |
| D | 20 | Fabian; Sebastian | — | 10.37 | 7.46 | 16.37 |
| F | 21 | Agnes; Meinrad | 0. 7 | 10.54 | 7.45 | 16.39 |
| ☾ | 22 | Vinzenz; Anastasius | 1.28 | 11.13 | 7.44 | 16.40 |
| 5. Woche. 3. Sonntag nach Dreikönig H. L. Frauen Vermählung Ev. Der glaubensst. Hauptmann Mt 8, 1-13; Ep. Röm 12, 16-21 | | | | | | |
| ☾ | 23 | Udefons; Raimund; Emerent. | 2.49 | 11.36 | 7.43 | 16.42 |
| M | 24 | Timotheus; Arno | 4. 8 | 12. 6 | 7.42 | 16.43 |
| D | 25 | Pauli Bekehrung | 5.21 | 12.47 | 7.41 | 16.45 |
| M | 26 | Polykarp; Paula; Rotburga | 6.25 | 13.38 | 7.40 | 16.46 |
| D | 27 | Johannes Chrysostomus; Hlra | 7.16 | 14.42 | 7.39 | 16.48 |
| F | 28 | Karl der Große; Geuse | 7.53 | 15.51 | 7.37 | 16.49 |
| ☾ | 29 | Franz v. Sales; Radegunde | 8.21 | 17. 3 | 7.36 | 16.51 |
| 6. Woche. 4. Sonntag nach Dreikönig Ev. Der Sturm auf dem Meere Mt 8, 23-27; Ep. Röm 13, 8-10 | | | | | | |
| ☾ | 30 | Adelgunde; Martina | 8.42 | 18.14 | 7.34 | 16.52 |
| M | 31 | Petrus Nolaska; Joh. Bosco | 8.59 | 19.24 | 7.33 | 16.54 |

IM NAMEN JESU

In jener Zeit, als die acht Tage vorüber waren und das Kind beschnitten wurde, ward ihm der Name JESUS gegeben. So hatte ihn der Engel genannt, noch ehe er im Mutterchoße empfangen war.

Evangelium vom Fest des allerheiligsten Namens Jesu, Lukae 2, 21

FEBRUAR

| | | | Mond- | | | Sonnen- | | Bemerkungen | |
|---|----|--------------------------------|-------|---------|---------|---------|---------|-------------|--|
| | | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | | |
| D | 1 | Ignatius; Brigitta | | | 9.13 | 20.31 | 7.32 | 16.56 | |
| M | 2 | Maria Lichtmeß; Vodo | | | 9.26 | 21.37 | 7.30 | 16.58 | |
| D | 3 | Blasius, Rothelfer; Ansgar | | | 9.38 | 22.44 | 7.29 | 16.59 | |
| F | 4 | Hrab. Maurus; Veronika; DFF | | | 9.51 | 23.52 | 7.27 | 17. 1 | |
| S | 5 | Agatha; Adelheid | | | 10. 6 | — | 7.26 | 17. 3 | |
| 7. Woche. 5. Sonntag nach Dreikönig | | | | | | | | | |
| Ev. Die Saat des Bösen Mt 13, 24-30; Ep. Kol 3, 12-17 | | | | | | | | | |
| S | 6 | Dorothea; Iktus | | ☾ | 10.24 | 1. 3 | 7.25 | 17. 5 | |
| M | 7 | Richard; Romuald | | | 10.47 | 2.16 | 7.23 | 17. 6 | |
| D | 8 | Johannes v. Mattha; Dietgrim | | | 11.20 | 3.31 | 7.22 | 17. 8 | |
| M | 9 | Chryll; Apollonia | | | 12. 6 | 4.43 | 7.20 | 17. 9 | |
| D | 10 | Scholastika; Wilhelm | | | 13. 8 | 5.47 | 7.19 | 17.11 | |
| F | 11 | Gangolf; Euphrosine | | | 14.26 | 6.38 | 7.17 | 17.13 | |
| S | 12 | Benedikt v. A.; Eulalia | | | 15.54 | 7.16 | 7.15 | 17.14 | |
| 8. Woche. Septuagesima | | | | | | | | | |
| Ev. Die Arbeiter im Weinberg Mt 20, 1-16; Ep. 1 Kor 9, 24-10, 5 | | | | | | | | | |
| S | 13 | Jordan v. S.; Gosbert | | ☽ | 17.25 | 7.44 | 7.14 | 17.16 | |
| M | 14 | Valentin; Bruno | | | 18.54 | 8. 6 | 7.12 | 17.17 | |
| D | 15 | Faustina; Jobitta | | | 20.22 | 8.25 | 7.10 | 17.19 | |
| M | 16 | Julliana; Onesimus | | | 21.48 | 8.41 | 7. 8 | 17.21 | |
| D | 17 | Fintan; Konstantin | | | 23.13 | 8.58 | 7. 6 | 17.23 | |
| F | 18 | Simeon; Constantia | | | — | 9.16 | 7. 5 | 17.24 | |
| S | 19 | Friedrich v. Hirsau; Gabinus | | | 0.36 | 9.39 | 7. 3 | 17.26 | |
| 9. Woche. Sexagesima | | | | | | | | | |
| Ev. Vom göttlichen Sämann Mt 8, 4-15; Ep. 2 Kor 11, 19-12, 9 | | | | | | | | | |
| S | 20 | Eleutherius; Isabella | | ☾ | 1.58 | 10. 7 | 7. 1 | 17.28 | |
| M | 21 | Eleonore; Randoald | | | 3.15 | 10.45 | 6.59 | 17.30 | |
| D | 22 | Petri Stuhlfeste in Antiochien | | | 4.22 | 11.32 | 6.57 | 17.31 | |
| M | 23 | Willigis; Petrus Damiani | | | 5.15 | 12.32 | 6.55 | 17.33 | |
| D | 24 | Matthias, Apostel | | | 5.56 | 13.40 | 6.53 | 17.34 | |
| F | 25 | Walburga; Adeltraut | | | 6.26 | 14.51 | 6.51 | 17.36 | |
| S | 26 | Dionys v. Augsburg; Mechthild | | | 6.49 | 16. 3 | 6.49 | 17.37 | |
| 10. Woche. Quinquagesima | | | | | | | | | |
| Ev. Gang zum Ofsertob Mt 18, 31-43; Ep. 1 Kor 13, 1-13 | | | | | | | | | |
| S | 27 | Alexander; Markwart | | ☽ | 7. 6 | 17.12 | 6.47 | 17.39 | |
| M | 28 | Romanus Döswald; Hermine | | | 7.21 | 18.20 | 6.46 | 17.40 | |

So spricht Gott der Herr: „Seht, ich sende meinen Engel, daß er den Weg vor mir bereitet. Und alsbald wird in seinen Tempel der Herrscher kommen, den ihr sucht, der Engel des Bundes, nach dem ihr verlangt. Seht, er kommt“, spricht der Herr der Heerscharen. „Wer vermag an den Tag seiner Ankunft auch nur zu denken, und wer zu bestehen bei seinem Anblick? Denn er ist wie schmelzend Feuer und wie die Lauge des Wäschers. Er wird sich hinsetzen, das Silber zu schmelzen und zu läutern, er wird die Söhne Levis reinigen, sie wie Gold und Silber läutern, damit sie dem Herrn Opfer darbringen in Gerechtigkeit. Dann wird der Herr Gefallen haben an dem Opfer Judas und Jerusalems wie in den Tagen der Vorzeit, wie in den längst vergangenen Jahren“, spricht der Herr, der Allmächtige,

Epistel vom Feste Maria Lichtmeß, Malachias 3, 1-4

MÄRZ

| | | | Mond- | | | Sonne- | | Bemerkungen |
|---|----|--------------------------------|-------|---------|---------|---------|---------|-------------|
| | | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | |
| D | 1 | Fastnacht; Albin; Roger | | 7.34 | 19.27 | 6.44 | 17.42 | |
| M | 2 | Aschermittwoch; Heinrich Geuse | | 7.45 | 20.34 | 6.42 | 17.43 | |
| D | 3 | Kunigunde | | 7.58 | 21.41 | 6.40 | 17.45 | |
| F | 4 | Rasimir; Lucius; HNF | | 8.12 | 22.50 | 6.38 | 17.47 | |
| S | 5 | Friedrich; Gerasimus | | 8.28 | 23.59 | 6.36 | 17.48 | |
| 11. Woche. 1. Fastensonntag, Invocabit | | | | | | | | |
| Ev. Versuchung Christi Mt 4, 1-11; Ep. 2 Kor 6, 1-10 | | | | | | | | |
| S | 6 | Fridolin; Perpetua; Felzitas | | 8.49 | 0. 3 | 6.34 | 17.50 | |
| M | 7 | Thomas v. Aquin; Volker | | 9.16 | 1.15 | 6.32 | 17.52 | |
| D | 8 | Johannes v. Gott; Humfried | | 9.55 | 2.27 | 6.30 | 17.54 | |
| M | 9 | Franziska v. Rom; Katharina | | 10.47 | 3.34 | 6.28 | 17.55 | |
| D | 10 | Dierzig Martyrer; Gustav | | 11.57 | 4.28 | 6.25 | 17.57 | |
| F | 11 | Rosina; Eulogius | | 13.19 | 5.11 | 6.23 | 17.58 | |
| S | 12 | Gregor der Große; Dionys | | 14.47 | 5.42 | 6.21 | 18. 0 | |
| 12. Woche. 2. Fastensonntag, Reminiszere | | | | | | | | |
| Ev. Erklärung Christi Mt 17, 1-9; Ep. 1 Thess 4, 1-7 | | | | | | | | |
| S | 13 | Ernst; Theodor | | 16.18 | 6. 7 | 6.19 | 18. 1 | |
| M | 14 | Mathilde; Pauline | | 17.48 | 6.27 | 6.17 | 18. 3 | |
| D | 15 | Klemens Maria Hofbauer | | 19.16 | 6.44 | 6.15 | 18. 4 | |
| M | 16 | Heribert; Chrial | | 20.44 | 7. 1 | 6.13 | 18. 6 | |
| D | 17 | Bertrud v. Brabant; Patricius | | 22.12 | 7.19 | 6.11 | 18. 7 | |
| F | 18 | Chrill; Eduard | | 23.39 | 7.39 | 6. 9 | 18. 9 | |
| S | 19 | Joseph | | — | 8. 6 | 6. 7 | 18.10 | |
| 13. Woche. 3. Fastensonntag, Oculi | | | | | | | | |
| Ev. Vom ausgetriebenen Teufel Mt 11, 14-28; Ep. Eph 5, 1-9 | | | | | | | | |
| S | 20 | Joachim; Wulftram; Demgard | | 1. 1 | 8.40 | 6. 5 | 18.12 | |
| M | 21 | Benedikt v. N. (Frühl.-Anf.) | | 2.14 | 9.26 | 6. 3 | 18.13 | |
| D | 22 | Harlinde; Nikolaus v. d. Fläe | | 3.14 | 10.23 | 6. 1 | 18.15 | |
| M | 23 | Marbod; Prokop; Otto | | 3.58 | 11.29 | 5.59 | 18.16 | |
| D | 24 | Gabriel der Erzengel | | 4.31 | 12.41 | 5.57 | 18.18 | |
| F | 25 | Maria Verkündigung | | 4.55 | 13.52 | 5.55 | 18.19 | |
| S | 26 | Felix; Ludger; Emanuel | | 5. 8 | 15. 2 | 5.53 | 18.21 | |
| 14. Woche. 4. Fastensonntag, Lätare | | | | | | | | |
| Ev. Wunderbare Brotvermehrung Jo 6, 1-15; Ep. Gal 4, 22-31 | | | | | | | | |
| S | 27 | Rupert v. Salzburg; Frowin | | 5.29 | 16.10 | 5.51 | 18.22 | |
| M | 28 | Sieben Schmerzen Maria | | 5.42 | 17.17 | 5.49 | 18.23 | |
| D | 29 | Bertold; Paula | | 5.54 | 18.25 | 5.47 | 18.25 | |
| M | 30 | Roswith v. L.; Amadeus | | 6. 6 | 19.32 | 5.44 | 18.26 | |
| D | 31 | Valbina; Achatus | | 6.19 | 20.41 | 5.42 | 18.28 | |

In jener Zeit sprach Jesus zu seinen Jüngern: „Wenn ihr fastet, sollt ihr kein finsternes Gesicht machen wie die Heuchler, denn sie entstellen ihr Angesicht, damit die Leute sehen, wie sie fasten. Wahrlich, ich sage euch, sie haben ihren Lohn schon empfangen. Vielmehr wenn du fastest, salbe dein Haupt und wasche dein Angesicht, damit die Menschen dein Fasten nicht merken, sondern nur dein Vater, der im Verborgenen ist. Und dein Vater, der ins Verborgene sieht, wird es dir vergelten. Sammelt euch nicht Schätze auf Erden, wo sie Rost und Motten zerstören, wo Diebe einbrechen und stehlen, sammelt euch vielmehr Schätze im Himmel, wo sie weder Rost noch Motten verzehren und wo Diebe nicht einbrechen und stehlen. Denn wo dein Schatz ist, da ist auch dein Herz.“

Evangelium vom Aschermittwoch, Matthäus 6, 16-21

APRIL

| | | | Mond- | | Sonne- | | Bemerkungen | |
|--|----|----------------------------------|-------|---------|---------|---------|-------------|---------|
| | | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | | Unterg. |
| F | 1 | Hugo; Theodora; DFF | ☾ | 6.34 | 21.52 | 5.40 | 18.29 | |
| S | 2 | Franz v. Paula | ☾ | 6.54 | 23. 5 | 5.38 | 18.31 | |
| 15. Woche. Passionssonntag | | | | | | | | |
| Ev. Jesus der Sündenlose Jo 8, 46-59; Ev. Hebr 9, 11-15 | | | | | | | | |
| S | 3 | Richard; Irene | ☾ | 7.18 | — | 5.36 | 18.32 | |
| M | 4 | Isidor | ☾ | 7.42 | 0.17 | 5.33 | 18.34 | |
| D | 5 | Kreuzenz; Vinzenz Ferrer | ☾ | 8.41 | 1.25 | 5.31 | 18.35 | |
| M | 6 | Rotter; Sixtus | ☾ | 9.39 | 2.23 | 5.29 | 18.37 | |
| D | 7 | Hermann Joseph; Albert | ☾ | 10.54 | 3. 8 | 5.27 | 18.38 | |
| F | 8 | Walter; Julia | ☾ | 12.17 | 3.43 | 5.25 | 18.40 | |
| S | 9 | Waltraud; Maria Kleopha | ☾ | 13.45 | 4. 8 | 5.23 | 18.41 | |
| 16. Woche. Palmsonntag | | | | | | | | |
| Ev. Einzug in Jerusalem Mt 21, 1-9; Ev. Phil 2, 5-11 | | | | | | | | |
| S | 10 | Rechtshilf; Gerold | ☾ | 15.12 | 4.29 | 5.21 | 18.43 | |
| M | 11 | Leo der Große; Reiner | ☾ | 16.40 | 4.46 | 5.19 | 18.44 | |
| D | 12 | Julius; Seno | ☾ | 18. 8 | 5. 3 | 5.17 | 18.46 | |
| M | 13 | Hermenegild; Ida | ☾ | 19.37 | 5.20 | 5.15 | 18.47 | |
| D | 14 | Gründonnerstag; Justinus | ☾ | 21. 7 | 5.39 | 5.13 | 18.49 | |
| F | 15 | Karsfreitag; Anastasia; Veronika | ☾ | 22.35 | 6. 4 | 5.11 | 18.50 | |
| S | 16 | Karsamstag; Benedikt Labre | ☾ | 23.55 | 6.3.) | 5. 9 | 18.52 | |
| 17. Woche. Hochheiliges Osterfest | | | | | | | | |
| Ev. Auferstehung des Herrn Mt 16, 1-7; Ev. 1 Kor 5, 7-8 | | | | | | | | |
| S | 17 | Ostern; Anicet; Rudolf | ☾ | 0. 1 | 7.16 | 5. 7 | 18.54 | |
| M | 18 | Ostermontag; Werner; Eleuth. | ☾ | 1. 4 | 8.10 | 5. 5 | 18.55 | |
| D | 19 | Emma; Gerold | ☾ | 1.56 | 9.16 | 5. 3 | 18.57 | |
| M | 20 | Viktor; Hildegard | ☾ | 2.34 | 10.28 | 5. 1 | 18.58 | |
| D | 21 | Anselm; Konrad v. P. | ☾ | 3. 1 | 11.40 | 4.59 | 19. 0 | |
| F | 22 | Soter; Cajus | ☾ | 3.21 | 12.52 | 4.57 | 19. 1 | |
| S | 23 | Georg, Nothelfer; Gerhard | ☾ | 3.37 | 14. 1 | 4.55 | 19. 3 | |
| 18. Woche. Weißer Sonntag | | | | | | | | |
| Ev. Der Osterfriede Jo 20, 19-31; Ev. 1 Jo 5, 4-10 | | | | | | | | |
| S | 24 | Fidelis v. S.; Adalbert | ☾ | 3.51 | 15. 8 | 4.54 | 19. 4 | |
| M | 25 | Markus (Wittgang) | ☾ | 4. 3 | 16.15 | 4.52 | 19. 6 | |
| D | 26 | Trudpert; Kletus; Marcellinus | ☾ | 4.14 | 17.22 | 4.50 | 19. 7 | |
| M | 27 | Petrus Canisius; Ita | ☾ | 4.27 | 18.30 | 4.48 | 19. 8 | |
| D | 28 | Paul vom Kreuz; Vitalis | ☾ | 4.41 | 19.41 | 4.46 | 19.10 | |
| F | 29 | Robert; Hugo | ☾ | 4.59 | 20.54 | 4.45 | 19.11 | |
| S | 30 | Katharina v. Siena; Wolfhard | ☾ | 5.22 | 22. 8 | 4.43 | 19.13 | |

Brüder! Schafft den alten Sauerteig hinaus, damit ihr ein neuer Teig seid. Ihr seid ja Ungefäuerte. DENN UNSER OSTERLÄMM, CHRISTUS, IST GESCHLÄCHTET WORDEN. Darum laßt uns festmahl halten, nicht mit dem alten Sauerteig, dem Sauerteig der Bosheit und Schlechtigkeit, sondern mit dem ungefäuerten Brote der Lauterkeit und Wahrheit.

Epistel vom hohen Osteronntag, 1 Korinther 5, 7-8

M A I

| | | Mond- | | | Sonnen- | | Bemerkungen |
|--|----|----------------------------------|---------|---------|---------|---------|-------------|
| | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | |
| 19. Woche. 2. Sonntag nach Ostern | | | | | | | |
| Ev. Vom guten Hirten Jo 10, 11-16; Ev. 1 Pt 2, 21-25 | | | | | | | |
| Ö | 1 | Philippus u. Jakobus | 5.53 | 23.17 | 4.41 | 19.14 | |
| M | 2 | Athanasius; Wiborada | 6.35 | — | 4.39 | 19.16 | |
| D | 3 | Kreuzauffindung; Gotthart | 7.32 | 0.19 | 4.37 | 19.17 | |
| M | 4 | Schutzfest d. hl. Joseph; Monika | 8.41 | 1. 7 | 4.36 | 19.19 | |
| D | 5 | Pius V.; Jutta | 10. 0 | 1.44 | 4.34 | 19.20 | |
| F | 6 | Johann v. d. Lat. Pforte; HJH | 11.23 | 2.12 | 4.32 | 19.22 | |
| Ö | 7 | Stanislaus; Oisela | 12.48 | 2.34 | 4.30 | 19.23 | |
| 20. Woche. 3. Sonntag nach Ostern | | | | | | | |
| Ev. Trennung und Wiedersehen Jo 16, 16-22; Ev. 1 Pt 2, 11-19 | | | | | | | |
| Ö | 8 | Michaels Erscheinung | 14.13 | 2.52 | 4.29 | 19.25 | |
| M | 9 | Gregor v. Nazianz | 15.38 | 3. 8 | 4.27 | 19.26 | |
| D | 10 | Beatus; Blanda | 17. 4 | 3.24 | 4.26 | 19.28 | |
| M | 11 | Gangolf; Sigismund; Mamertus | 18.32 | 3.41 | 4.24 | 19.29 | |
| D | 12 | Pankratius (Eishellige!) | 20. 1 | 4. 2 | 4.23 | 19.30 | |
| F | 13 | Servatius; Robert Bellarmin | 21.27 | 4.29 | 4.21 | 19.31 | |
| Ö | 14 | Bonifatius; Imbert | 22.44 | 5. 6 | 4.20 | 19.33 | |
| 21. Woche. 4. Sonntag nach Ostern | | | | | | | |
| Ev. Wirken des Heiligen Geistes Jo 16, 5-14; Ev. Jak 1, 17-21 | | | | | | | |
| Ö | 15 | Sophie; Isidor | 23.45 | 5.55 | 4.18 | 19.34 | |
| M | 16 | Johannes Nepomuk | — | 6.58 | 4.17 | 19.35 | |
| D | 17 | Bruno; Paschalis | 0.31 | 8. 9 | 4.16 | 19.36 | |
| M | 18 | Erich; Dietmar | 1. 2 | 9.23 | 4.15 | 19.38 | |
| D | 19 | Petrus Esklestin; Ivo | 1.26 | 10.37 | 4.13 | 19.39 | |
| F | 20 | Bernadin v. S.; Eufriede | 1.43 | 11.47 | 4.12 | 19.41 | |
| Ö | 21 | Konstantin; Joh. Mich. Sailer | 1.58 | 12.56 | 4.11 | 19.42 | |
| 22. Woche. 5. Sonntag nach Ostern; Bittw. | | | | | | | |
| Ev. Kraft des Gebetes Jo 16, 23-30; Ev. Jak 1, 22-27 | | | | | | | |
| Ö | 22 | Julia; Rita | 2.11 | 14. 2 | 4.10 | 19.43 | |
| M | 23 | Desiderius (Bittgang) | 2.22 | 15. 9 | 4. 9 | 19.44 | |
| D | 24 | Johanna; Maria, Hilfe d. Christ. | 2.35 | 16.17 | 4. 8 | 19.46 | |
| M | 25 | Urban; Gregor VII. | 2.48 | 17.28 | 4. 7 | 19.47 | |
| D | 26 | Christi Himmelfahrt; Phil. Neri | 3. 5 | 18.40 | 4. 6 | 19.48 | |
| F | 27 | Veda | 3.26 | 19.55 | 4. 5 | 19.49 | |
| Ö | 28 | Wilhelm; August v. Canterbury | 3.54 | 21. 7 | 4. 4 | 19.50 | |
| 23. Woche. 6. Sonntag nach Ostern | | | | | | | |
| Ev. Jüngerlos. Jo 15, 26-16, 4 Ev. 1 Pt 4, 7-11 | | | | | | | |
| Ö | 29 | Maximin; Magdalena v. P. | 4.33 | 22.12 | 4. 3 | 19.52 | |
| M | 30 | Ferdinand; Felix | 5.25 | 23. 5 | 4. 2 | 19.53 | |
| D | 31 | Petronella; Kamilla | 6.33 | 23.46 | 4. 1 | 19.54 | |

Ein wachsender Sproß ist Joseph, ein wachsender Sproß lieblichen Anblicks, dessen Zweige sich ausbreiten über die Mauer. Aber es reizten ihn, haderten mit ihm und stellten ihm nach die Pfeilschützen. Doch sein Bogen hält ungebrochen stand. So lösten sich die Fesseln seiner Arme und Hände durch die Macht des Starken Jakobs. Von dort ging hervor der Hirte, der Fels Israels. Der Gott deines Vaters wird dein Helfer sein, und der Allmächtige wird dich segnen mit der Segensfülle des Himmels von oben, mit der Segensfülle der Tiefe unten, mit der Segensfülle von Mutterbrust und Mutterchoß. Der Segen deines Vaters wird übertreffen den Segen seiner Väter, bis da kommt die Sehnsucht der ewigen Hügel. Er komme über Josephs Haupt, auf den Scheitel des Auserwählten unter den Brüdern.

Epistel vom Schutzfest des heiligen Joseph, 1 Mose 49, 22-26

JUNI

| | | | Mond- | | Sonnen- | | Bemerkungen |
|--|----|--------------------------------|-------|---------|---------|---------|-------------|
| | | | Aufg. | Unterg. | Aufg. | Unterg. | |
| M | 1 | Kuno; Johanna v. Orleans | 7.50 | — | 4. 0 | 19.55 | |
| D | 2 | Marzellin; Erasmus, Nothelfer | 9.12 | 0.16 | 4. 0 | 19.56 | |
| F | 3 | Klothilde; Hildeburg, HJH | 10.34 | 0.39 | 3.59 | 19.57 | |
| S | 4 | Hildebrand; Sundefar | 11.57 | 0.58 | 3.59 | 19.58 | |
| 24. Woche. Hochheiliges Pfingstfest | | | | | | | |
| Ev. Der Tröster Geist Jo 14, 23-31; Ep. Apg 2, 1-11 | | | | | | | |
| S | 5 | Pfingsten; Winfried-Bonifatius | 13.19 | 1.14 | 3.58 | 19.59 | |
| M | 6 | Pfingstmontag; Norbert | 14.42 | 1.29 | 3.58 | 20. 0 | |
| D | 7 | Robert; Gottschalk | 16. 7 | 1.45 | 3.57 | 20. 0 | |
| M | 8 | Vedard; Adulf (Quat.) | 17.33 | 2. 4 | 3.57 | 20. 1 | |
| D | 9 | Primus; Felizian | 18.59 | 2.28 | 3.56 | 20. 1 | |
| F | 10 | Heinrich; Margarete (Quat.) | 20.20 | 2.59 | 3.56 | 20. 2 | |
| S | 11 | Barnabas; Flora (Quat.) | 21.30 | 3.43 | 3.56 | 20. 3 | |
| 25. Woche. Dreifaltigkeitsfest | | | | | | | |
| Ev. Die große Sendung Mt 28, 18-20; Ep. Röm 11, 33-36 | | | | | | | |
| S | 12 | Ansald; Cosill | 22.22 | 4.39 | 3.56 | 20. 3 | |
| M | 13 | Antonius v. P.; Donatus | 23. 0 | 5.49 | 3.55 | 20. 4 | |
| D | 14 | Bassilius; Hartwich | 23.27 | 7. 3 | 3.55 | 20. 4 | |
| M | 15 | Vitus, Noth.; Modestus; Kresz. | 23.47 | 8.19 | 3.55 | 20. 5 | |
| D | 16 | Fronleichnam; Benno; Luitgart | — | 9.32 | 3.55 | 20. 5 | |
| F | 17 | Adolf, Rainer | 0. 3 | 10.41 | 3.55 | 20. 6 | |
| S | 18 | Ephrem d. S.; Elis. v. Schönau | 0.16 | 11.48 | 3.55 | 20. 6 | |
| 26. Woche. 2. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Das große Gastmahl Mt 14, 16-24; Ep. 1 Jo 3, 13-18 | | | | | | | |
| S | 19 | Julliana; Servas; Protas | 0.28 | 12.56 | 3.55 | 20. 7 | |
| M | 20 | Silberius; Bertold | 0.41 | 14. 3 | 3.55 | 20. 7 | |
| D | 21 | Mosius; Alban | 0.54 | 15.12 | 3.55 | 20. 7 | |
| M | 22 | Eberhard; Achatius, Nothelfer | 1. 9 | 16.24 | 3.55 | 20. 7 | |
| D | 23 | Edeltrud; Leodegar | 1.29 | 17.38 | 3.56 | 20. 8 | |
| F | 24 | Herz-Jesu-Fest; Joh. d. Täufer | 1.54 | 18.51 | 3.56 | 20. 8 | |
| S | 25 | John Fisher; Wilh. v. Vercelli | 2.28 | 20. 0 | 3.56 | 20. 8 | |
| 27. Woche. 3. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Der Freund der Sünder Mt 15, 1-10; Ep. 1 Pt 5, 6-11 | | | | | | | |
| S | 26 | Johannes u. Paulus | 3.16 | 20.59 | 3.57 | 20. 8 | |
| M | 27 | Ladislau; Siebenschl.; Emma | 4.20 | 21.45 | 3.57 | 20. 8 | |
| D | 28 | Trenaus; Heimrad | 5.35 | 22.19 | 3.58 | 20. 8 | |
| M | 29 | Peter u. Paul, Apostel | 6.58 | 22.44 | 3.58 | 20. 8 | |
| D | 30 | Lucina; Pauli Gedächtnis | 8.23 | 23. 3 | 3.59 | 20. 8 | |

In jener Zeit baten die Juden den Pilatus, er möge den Leichnamen die Beine zerbrechen und sie abnehmen lassen, damit sie nicht über den Sabbat am Kreuze verblieben. (Es war nämlich Rüsttag, und der folgende Sabbat war großer Feiertag.) So kamen denn die Soldaten und zerchlugen dem einen Mitgekreuzigten die Gebeine, dann auch dem andern. Als sie aber zu Jesus kamen, sahen sie, daß er schon gestorben war. **SIE ZERSCHLUGEN IHM DAHER DIE GEBEINE NICHT, SONDERN EINER VON DEN SOLDATEN ÖFFNETE SEINE SEITE MIT EINER LÄNZE, UND SOGLEICH FLOSS BLUT UND WASSER HERAUS.** Der dies gesehen hat, legt Zeugnis davon ab, und sein Zeugnis ist wahr. Und er weiß, daß er die Wahrheit sagt, damit auch ihr glaubt. Denn das ist geschehen, damit die Schrift erfüllt werde: Ihr sollt an ihm kein Bein zerbrechen. Und wiederum sagt ein anderes Schriftwort: Sie werden auf den schauen, den sie durchbohret haben.

Evangelium vom Herz-Jesu-Fest, Johannes 19, 31 - 37

JULI

| | Tag | Fest | Ev. | Mond- | | | Sonne- | | Bemerkungen |
|--|-----|-----------------------------------|-----|-------|---------|---------|---------|---------|-------------|
| | | | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | |
| F | 1 | Fest v. Kostb. Blut; Theob.; HJF | | | 9.45 | 23.20 | 4. 0 | 20. 8 | |
| S | 2 | María Heimsuchung; Otto v. B. | | | 11. 7 | 23.36 | 4. 0 | 20. 8 | |
| 28. Woche. 4. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | | | |
| Ev. Der reiche Fischfang Mt 5, 1-11; Ep. Röm 8, 18-23 | | | | | | | | | |
| S | 3 | Leo II.; Dietbold | | ☾ | 12.29 | 23.51 | 4. 1 | 20. 7 | |
| M | 4 | Ulrich, Bischof; Berta; Hatto | | | 13.52 | — | 4. 1 | 20. 7 | |
| D | 5 | Wilh. v. Hirsau; Ant. Zacharias | | | 15.16 | 0. 8 | 4. 2 | 20. 7 | |
| M | 6 | Goar; Th. Morus; Norbert | | | 16.40 | 0.30 | 4. 3 | 20. 6 | |
| D | 7 | Enrich u. Methodius; Willibald | | | 18. 1 | 0.58 | 4. 3 | 20. 6 | |
| F | 8 | Kilian; Kolonat; Edgar | | | 19.15 | 1.35 | 4. 4 | 20. 5 | |
| S | 9 | Agilolf; Disibod | | | 20.18 | 2.26 | 4. 4 | 20. 5 | |
| 29. Woche. 5. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | | | |
| Ev. Die wahre Gerechtigkeit Mt 5, 20-24; Ep. 1 Pt 3, 8-15 | | | | | | | | | |
| S | 10 | Sieben Brüder; Rufina | | ☉ | 20.56 | 3.30 | 4. 5 | 20. 4 | |
| M | 11 | Pius I.; Olga | | | 21.28 | 4.42 | 4. 6 | 20. 3 | |
| D | 12 | Felix u. Nabor; Ansbald | | | 21.50 | 5.59 | 4. 7 | 20. 3 | |
| M | 13 | Eugen; Arno | | | 22. 8 | 7.14 | 4. 8 | 20. 2 | |
| D | 14 | Bonaventura; Markhelm | | | 22.22 | 8.25 | 4. 9 | 20. 2 | |
| F | 15 | Heinrich II.; Answar; Gumbert | | | 22.35 | 9.34 | 4.10 | 20. 1 | |
| S | 16 | Skapulierfest; Reinhilde | | | 22.46 | 10.41 | 4.11 | 20. 0 | |
| 30. Woche. 6. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | | | |
| Ev. Spelung der Viertausend Mt 8, 1-9; Ep. Röm 6, 3-11 | | | | | | | | | |
| S | 17 | Alexius; Irmgard | | ☾ | 22.59 | 11.48 | 4.12 | 19.59 | |
| M | 18 | Kamillus; Friedrich | | | 23.13 | 12.56 | 4.14 | 19.58 | |
| D | 19 | Vinzeng v. Paul; Bernhold | | | 23.30 | 14. 6 | 4.15 | 19.57 | |
| M | 20 | Hieronimus; Margareta, Noth. | | | 23.52 | 15.18 | 4.16 | 19.56 | |
| D | 21 | Praxedis; Arbogast | | | — | 16.31 | 4.17 | 19.55 | |
| F | 22 | María Magdalena; Einhard | | | 0.22 | 17.43 | 4.18 | 19.54 | |
| S | 23 | Apollinaris; Liborius | | | 1. 5 | 18.47 | 4.20 | 19.52 | |
| 31. Woche. 7. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | | | |
| Ev. Die falschen Propheten Mt 7, 15-21; Ep. Röm 6, 19-23 | | | | | | | | | |
| S | 24 | Bernhard v. Baden; Christina | | ☉ | 2. 2 | 19.38 | 4.21 | 19.51 | |
| M | 25 | Jakobus, Apost.; Christoph, Noth. | | | 3.14 | 20.17 | 4.22 | 19.50 | |
| D | 26 | H. Mutter Anna; Joachim | | | 4.36 | 20.46 | 4.23 | 19.49 | |
| M | 27 | Pantaleon, Nothelfer; Berthold | | | 6. 3 | 21. 8 | 4.25 | 19.47 | |
| D | 28 | Nazarus; Viktor; Innozenz | | | 7.29 | 21.26 | 4.26 | 19.46 | |
| F | 29 | Martha; Beatrix | | | 8.54 | 21.42 | 4.28 | 19.44 | |
| S | 30 | Olaf; Ingeborg | | | 10.17 | 21.57 | 4.29 | 19.43 | |
| 32. Woche. 8. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | | | |
| Ev. Der untreue Verwalter Mt 16, 1-9; Ep. Röm 8, 12-17 | | | | | | | | | |
| S | 31 | Ignatius v. Loyola; German | | ☾ | 11.41 | 22.14 | 4.30 | 19.42 | |

In jener Zeit sprach Jesus zu seinen Jüngern: „Sure Lenden seien umgürtet und brennende Lampen in euren Händen. So sollt ihr Menschen gleichen, die auf ihren Herrn warten, wenn er von der Hochzeit zurückkommt, damit sie ihm, wenn er kommt und klopft, sogleich öffnen können. Selig jene Knechte, die der Herr bei seinem Kommen wachend findet. Wahrlich, ich sage euch, er wird sich gärten und sie Platz nehmen lassen und umhergehen und sie bedienen. Und wenn er in der zweiten Nachtwache kommt oder in der dritten Nachtwache, und sie so findet: selig sind diese Knechte. Das aber bedenkt: wenn der Hausvater wächte, zu welcher Stunde der Dieb kommt, so würde er sicherlich wachen und nicht in sein Haus einbrechen lassen. So seid denn auch ihr bereit; denn der Menschensohn wird zu einer Stunde kommen, da ihr es nicht vermutet.“

Evangelium vom feste des seligen Bernhard, Markgraf von Baden, Lukas 12, 35 - 40

AUGUST

| | | Lauf | Mond- | | Sonne- | | Bemerkungen |
|--|-----------------------------------|------|---------|---------|---------|---------|-------------|
| | | | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | |
| M 1 | Petri Kettenfest | | 13. 4 | 22.34 | 4.31 | 19.40 | |
| D 2 | Portiunkula; Alfons v. Liquori | | 14.28 | 22.59 | 4.33 | 19.39 | |
| M 3 | Auffindung des hl. Stephanus | | 15.50 | 23.33 | 4.34 | 19.37 | |
| D 4 | Dominikus | | 17. 5 | — | 4.35 | 19.36 | |
| F 5 | Maria Schnee; Oswald, HJF | | 18. 8 | 0.18 | 4.36 | 19.34 | |
| S 6 | Verkündigung Christi; Petr. Faber | | 18.54 | 1.17 | 4.38 | 19.33 | |
| 33. Woche. 9. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Jesus weint ob Jerusalem Mt 19, 41-47; Ep. 1 Kor 10, 6-13 | | | | | | | |
| S 7 | Kajetan; Donatus; Afra | | 19.29 | 2.26 | 4.39 | 19.31 | |
| M 8 | Chriak, Nothelfer; Altmann | | 19.53 | 3.41 | 4.41 | 19.30 | |
| D 9 | Roman; Johannes Vianney | | 20.13 | 4.56 | 4.42 | 19.28 | |
| M 10 | Laurentius | | 20.28 | 6.10 | 4.43 | 19.26 | |
| D 11 | Tiburtius; Susanne; Philomena | | 20.41 | 7.20 | 4.45 | 19.24 | |
| F 12 | Klara; Hilaria | | 20.53 | 8.28 | 4.46 | 19.23 | |
| S 13 | Hippolyt; Cassian; Radegundis | | 21. 5 | 9.36 | 4.48 | 19.21 | |
| 34. Woche. 10. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Phariseer und Sadduceer Mt 18, 9-14; Ep. 1 Kor 12, 2-11 | | | | | | | |
| S 14 | Eberhard; Eusebius | | 21.18 | 10.43 | 4.49 | 19.19 | |
| M 15 | Maria Himmelf.; Ludwig v. L. | | 21.34 | 11.52 | 4.50 | 19.17 | |
| D 16 | Joachim; Rochus, Pestpatron | | 21.53 | 13. 1 | 4.52 | 19.15 | |
| M 17 | Hyazinth; Karlmann | | 22.19 | 14.14 | 4.53 | 19.14 | |
| D 18 | Helena; Agapitus | | 22.55 | 15.26 | 4.55 | 19.12 | |
| F 19 | Sebald; Hademar | | 23.44 | 16.33 | 4.56 | 19.10 | |
| S 20 | Bernhard v. Clairvaux; Buzart | | — | 17.29 | 4.57 | 19. 8 | |
| 35. Woche. 11. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Der Taubstumme Mt 7, 31-37; Ep. 1 Kor 15, 1-10 | | | | | | | |
| S 21 | Johanna F. v. Eb.; Anastasius | | 0.49 | 18.13 | 4.59 | 19. 6 | |
| M 22 | Philibert; Timotheus | | 2. 7 | 18.45 | 5. 0 | 19. 4 | |
| D 23 | Philippus Beniktus | | 3.34 | 19.20 | 5. 2 | 19. 2 | |
| M 24 | Bartholomäus, Apostel | | 5. 2 | 19.30 | 5. 3 | 19. 0 | |
| D 25 | Ludwig; Gregor v. Utrecht | | 6.29 | 19.47 | 5. 5 | 18.58 | |
| F 26 | Sephrin; Johann v. Ulm | | 7.56 | 20. 2 | 5. 6 | 18.56 | |
| S 27 | Sebhard, Bischof v. Konstanz | | 9.22 | 20.19 | 5. 8 | 18.54 | |
| 36. Woche. 12. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Der barmherzige Samariter Mt 10, 23-37; Ep. 2 Kor 3, 4-9 | | | | | | | |
| S 28 | Augustinus; Adelinde | | 10.48 | 20.38 | 5. 9 | 18.52 | |
| M 29 | Entscheidung Joh. d. T.; Salina | | 12.15 | 21. 2 | 5.11 | 18.50 | |
| D 30 | Rosa v. Lima; Ingrid | | 13.39 | 21.33 | 5.12 | 18.48 | |
| M 31 | Paulinus; Raimund | | 14.58 | 22.14 | 5.14 | 18.46 | |

Bei allen suchte ich eine Ruhestätte: im Anteil des Herrn wollte ich weilen. Da gebot mir und sprach zu mir der Schöpfer des Alls, der auch mich erschuf — in meinem Zelte wohnte er und sprach zu mir: „In Jakob sollst du wohnen und in Israel dein Erbe haben, und inmitten meiner Auserwählten sollst du Wurzel fassen.“ Und so bekam ich auf Sion eine feste Stätte, in der heiligen Stadt einen Ruheort. Ich herrschte zu Jerusalem und faßte Wurzel bei dem hochgeehrten Volke, im Lande meines Gottes, seinem Erbe. In der Gemeinde der Heiligen ist mein Aufenthalt. Wie eine Zeder auf dem Libanon wuchs ich empor, wie eine Zypresse auf dem Berge Sion. Wie eine Palme zu Kades erhob ich mich und wie eine Rosenlaube zu Jericho. Wie ein Ölbaum schön in der Ebene und wie ein Ahorn wuchs ich auf am Wasser, an den Uferplätzen. Wie Zimt und Balsam würzig gab ich Duft; wie auserlesene Myrrhe, so spendete ich köstlichen Wohlgeruch.

Epistel vom Feste Maria Himmelfahrt, Ecclesiasticus 24, 11 – 13 und 15 – 20

SEPTEMBER

| | | Mond- | | Sonnen- | | Bemerkungen | |
|---|----|--------------------------------|--------|---------|--------|-------------|---------|
| | | Lauf | Ufgang | Unterg. | Ufgang | | Unterg. |
| D | 1 | Agidius, Nothelfer; Ida v. S. | ☾ | 16. 4 | 23. 9 | 5.15 18.44 | |
| F | 2 | Stephan v. Ungarn, HJF | ☾ | 16.55 | — | 5.17 18.42 | |
| S | 3 | Emmerich; Agulf | ☾ | 17.32 | 0.16 | 5.18 18.40 | |
| 37. Woche. 13. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Die zehn Aussätzigen Mt 17, 11-19; Ev. Gal 3, 16-22 | | | | | | | |
| S | 4 | Rosalia; Ida v. Herzfeld | ☾ | 17.59 | 1.29 | 5.19 18.38 | |
| M | 5 | Bertin; Ehrentrud | ☾ | 18.19 | 2.43 | 5.21 18.36 | |
| D | 6 | Magnus; Kunigunde | ☾ | 18.35 | 3.56 | 5.22 18.34 | |
| M | 7 | Dietrich; Regina | ☾ | 18.49 | 5. 7 | 5.24 18.32 | |
| D | 8 | Maria Geburt; Hadrian | ☾ | 19. 1 | 6.16 | 5.25 18.30 | |
| F | 9 | Sorgonius; Korbinian | ☾ | 19.12 | 7.24 | 5.26 18.28 | |
| S | 10 | Pulcheria; Diethard | ☾ | 19.25 | 8.31 | 5.28 18.26 | |
| 38. Woche. 14. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Sorgen nicht ängstlich Mt 6, 24-33; Ev. Gal 5, 16-24 | | | | | | | |
| S | 11 | Hilga v. Bregenz; Protus | ☾ | 19.39 | 9.39 | 5.29 18.23 | |
| M | 12 | Maria Namen; Guido | ☾ | 19.57 | 10.49 | 5.31 18.21 | |
| D | 13 | Maternus; Amatus; Notburga | ☾ | 20.19 | 12. 0 | 5.32 18.19 | |
| M | 14 | Kreuzerhöhung; Drmgard | ☾ | 20.50 | 13.11 | 5.34 18.17 | |
| D | 15 | Sieben Schmerzen Maria | ☾ | 21.32 | 14.19 | 5.35 18.15 | |
| F | 16 | Cornelius; Cyprian | ☾ | 22.28 | 15.19 | 5.37 18.12 | |
| S | 17 | Hildegard v. Bingen; Lambert | ☾ | 23.39 | 16. 6 | 5.38 18.10 | |
| 39. Woche. 15. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Der Jüngling von Naim Mt 7, 11-16; Ev. Gal 5, 25-6, 10 | | | | | | | |
| S | 18 | Richardis; Volkwin | ☾ | — | 16.48 | 5.40 18. 8 | |
| M | 19 | Januarius; Lantpert | ☾ | 1. 1 | 17.11 | 5.41 18. 6 | |
| D | 20 | Eustachius, Nothelfer | ☾ | 2.28 | 17.32 | 5.43 18. 4 | |
| M | 21 | Matthäus, Apostel (Quat.) | ☾ | 3.56 | 17.50 | 5.44 18. 2 | |
| D | 22 | Emmeran; Moriz | ☾ | 5.24 | 18. 6 | 5.46 18. 0 | |
| F | 23 | Linus (Quat.), Herbst-Anf. | ☾ | 6.53 | 18.23 | 5.47 17.58 | |
| S | 24 | Gerhard; Kunold (Quat.) | ☾ | 8.21 | 18.41 | 5.48 17.56 | |
| 40. Woche. 16. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Freund, rücke höher hinauf Mt 14, 1-11; Ev. Eph 3, 13-21 | | | | | | | |
| S | 25 | Aleophas; Hildegardis | ☾ | 9.50 | 19. 3 | 5.50 17.54 | |
| M | 26 | Meinhard; Justina | ☾ | 11.20 | 19.32 | 5.51 17.51 | |
| D | 27 | Rosmas; Damian | ☾ | 12.44 | 20.10 | 5.52 17.49 | |
| M | 28 | Wenzel; Lioba | ☾ | 13.57 | 21. 1 | 5.54 17.47 | |
| D | 29 | Michael, Erzengel | ☾ | 14.54 | 22. 5 | 5.55 17.45 | |
| F | 30 | Hieronymus, Kirchenl.; Leopold | ☾ | 15.35 | 23.17 | 5.57 17.43 | |

In jener Zeit sprach Jesus zu den Scharen der Juden: „Jetzt ergeht das Gericht über die Welt, jetzt wird der Fürst dieser Welt hinausgestoßen. Ich aber werde, wenn ich von der Erde erhöht bin, alles an mich ziehen.“ (Das sagte er, um die Art seines Todes anzudeuten.) Das Volk antwortete ihm: Wir haben aus dem Gesetze gehört, daß Christus ewig bleibt. Wie kannst du sagen, der Menschensohn muß erhöht werden? Wer ist dieser Menschensohn? Jesus antwortete ihnen: „Noch kurze Frist ist das Licht bei euch. Wandelt, solange ihr das Licht habet, damit euch die Finsternis nicht übercalcbe; denn wer in der Finsternis wandelt, weiß nicht, wohin er geht. Glaubet an das Licht, solange ihr das Licht habt, damit ihr Kinder des Lichtes seid.“

Evangelium vom Felt Kreuzerhöhung, Johannes 12, 31-36

OKTOBER

| | | Mond- | | | Sonnen- | | Bemerkungen |
|--|----|---------------------------------|---------|---------|---------|---------|-------------|
| | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | Unterg. | |
| 6 | 1 | Remigius; Ludwin | 16. 5 | — | 5.58 | 17.41 | |
| 41. Woche. 17. Sonntag nach Pfingsten Schuhengelfest Ev. Das größte Gebot Mt 22, 35-46; Ev. Evh 4, 1-6 | | | | | | | |
| 6 | 2 | Ewald; Leodegar | 16.27 | 0.32 | 6. 0 | 17.39 | |
| M | 3 | Theresa vom Kinde Jesu | 16.43 | 1.46 | 6. 1 | 17.37 | |
| D | 4 | Franz von Assisi | 16.57 | 2.58 | 6. 2 | 17.35 | |
| M | 5 | Placidus; Meinolf | 17.10 | 4. 6 | 6. 4 | 17.33 | |
| D | 6 | Bruno der Kartäuser | 17.21 | 5.14 | 6. 5 | 17.30 | |
| F | 7 | Rosentranzfest; Markus; HJF | 17.33 | 6.21 | 6. 7 | 17.28 | |
| 6 | 8 | Birgitta v. Schweden; Dietfried | 17.46 | 7.28 | 6. 8 | 17.26 | |
| 42. Woche. 18. Sonntag nach Pfingsten Ev. Der Gichtbrüchige Mt 9, 1-8; Ev. 1 Kor 1, 4-8 | | | | | | | |
| 6 | 9 | Dionys, Nothelfer; Günther | 18. 2 | 8.38 | 6.10 | 17.24 | |
| M | 10 | Cereon; Viktor | 18.23 | 9.49 | 6.11 | 17.22 | |
| D | 11 | Maria Mutterchaft; Bruno v. R. | 18.50 | 11. 0 | 6.13 | 17.20 | |
| M | 12 | Cassius; Florentius | 19.27 | 12. 9 | 6.14 | 17.18 | |
| D | 13 | Eduard; Simpert | 20.17 | 13.11 | 6.16 | 17.16 | |
| F | 14 | Kallistus; Burkhard | 21.21 | 14. 2 | 6.17 | 17.14 | |
| 6 | 15 | Theresa v. Avila; Thella | 22.37 | 14.42 | 6.19 | 17.12 | |
| 43. Woche. 19. Sonntag nach Pfingsten Kirchweihe Ev. Vom hochzeitlichen Reide Mt 22, 1-14; Ev. Evh 4, 23-28 | | | | | | | |
| 6 | 16 | Gallus; Hedwig | 23.57 | 15.11 | 6.20 | 17.11 | |
| M | 17 | Margarete Maria Macoque | 0. 1 | 15.34 | 6.22 | 17. 9 | |
| D | 18 | Lukas, Evangelist; Leopold | 1.23 | 15.53 | 6.23 | 17. 7 | |
| M | 19 | Laura; Petrus v. Alcantara | 2.49 | 16.10 | 6.25 | 17. 5 | |
| D | 20 | Wendelin; Luitgard; Artur | 4.16 | 16.25 | 6.26 | 17. 3 | |
| F | 21 | Ursula; Hilarion | 5.45 | 16.42 | 6.28 | 17. 1 | |
| 6 | 22 | Cordula; Irmitrude | 7.15 | 17. 3 | 6.29 | 16.59 | |
| 44. Woche. 20. Sonntag nach Pfingsten Ev. Vom kranken Sohn Jo 4, 46-53; Ev. Evh 5, 15-21 | | | | | | | |
| 6 | 23 | Severin; Oda | 8.48 | 17.28 | 6.31 | 16.57 | |
| M | 24 | Raphael, Erzengel; Armella | 10.18 | 18. 2 | 6.33 | 16.55 | |
| D | 25 | Chrysanthus; Daria; Sudentius | 11.40 | 18.50 | 6.35 | 16.53 | |
| M | 26 | Bernward; Evarist | 12.46 | 19.52 | 6.36 | 16.51 | |
| D | 27 | Fruementius; Adeltward; Sabina | 13.34 | 21. 4 | 6.38 | 16.49 | |
| F | 28 | Simon u. Judas, Apostel | 14. 8 | 22.20 | 6.40 | 16.47 | |
| 6 | 29 | Narziss; Eusebia | 14.32 | 23.34 | 6.42 | 16.45 | |
| 45. Woche. 21. Sonntag nach Pfingsten Christkönigfest Ev. Christi Königtum Jo 18, 33-37; Ev. Kol 1, 12-20 | | | | | | | |
| 6 | 30 | Dorothea v. Montau; Serapion | 14.51 | — | 6.43 | 16.44 | |
| M | 31 | Wolfgang; Notburga | 15. 6 | 0.47 | 6.45 | 16.42 | |

Als du mit Tränen betetest, die Toten begrubest, dein Essen stehen ließest, die Toten bei Tag in deinem Hause verbargest und bei Nacht begrubest, da brachte ich dein Gebet vor den Herrn. Weil du Wohlgefallen fandest vor Gott, mußte die Prüfung dich bewähren. Und nun sandte mich der Herr, dich zu heilen, und Sara, die Frau deines Sohnes, vom bösen Geiste zu befreien. Denn ich bin der Engel Raphael, einer von den Sieben, die vor dem Herrn stehen.

Aus der Epistel vom feste des heiligen Erzengels Raphael, Tobiae 12, 12-15

NOVEMBER

| | | Mond- | | Sonnen- | | Bemerkungen | |
|--|----|-------|---------|---------|---------|-------------|---------|
| | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | | Unterg. |
| D | 1 | ☉ | 15.18 | 1.56 | 6.46 | 16.41 | |
| M | 2 | ☉ | 15.29 | 3. 4 | 6.48 | 16.39 | |
| D | 3 | ☉ | 15.41 | 4.11 | 6.49 | 16.38 | |
| F | 4 | ☉ | 15.55 | 5.19 | 6.51 | 16.36 | |
| S | 5 | ☉ | 16.10 | 6.28 | 6.52 | 16.35 | |
| 46. Woche. 22. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Die Bindmätze Mt 22, 15-21; Ev. Phil 1, 6-11 | | | | | | | |
| S | 6 | ☉ | 16.29 | 7.37 | 6.54 | 16.33 | |
| M | 7 | ☉ | 16.54 | 8.49 | 6.55 | 16.32 | |
| D | 8 | ☉ | 17.28 | 10. 0 | 6.57 | 16.30 | |
| M | 9 | ☉ | 18.13 | 11. 5 | 6.58 | 16.29 | |
| D | 10 | ☉ | 19.12 | 11.59 | 7. 0 | 16.27 | |
| F | 11 | ☉ | 20.23 | 12.42 | 7. 1 | 16.26 | |
| S | 12 | ☉ | 21.41 | 13. 4 | 7. 3 | 16.24 | |
| 47. Woche. 23. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Jairo Töchterlein Mt 9, 18-26; Ev. Phil 3, 17-4, 3 | | | | | | | |
| S | 13 | ☉ | 23. 3 | 13.38 | 7. 5 | 16.23 | |
| M | 14 | ☉ | — | 13.57 | 7. 6 | 16.21 | |
| D | 15 | ☉ | 0.25 | 14.14 | 7. 8 | 16.20 | |
| M | 16 | ☉ | 1.47 | 14.29 | 7. 9 | 16.18 | |
| D | 17 | ☉ | 3.13 | 14.45 | 7.11 | 16.17 | |
| F | 18 | ☉ | 4.39 | 15. 3 | 7.13 | 16.16 | |
| S | 19 | ☉ | 6.10 | 15.25 | 7.14 | 16.15 | |
| 48. Woche. 24. Sonntag nach Pfingsten | | | | | | | |
| Ev. Vom Ende der Welt Mt 24, 15-35; Ev. Kol 1, 9-14 | | | | | | | |
| S | 20 | ☉ | 7.41 | 15.55 | 7.16 | 16.14 | |
| M | 21 | ☉ | 9.10 | 16.36 | 7.17 | 16.13 | |
| D | 22 | ☉ | 10.26 | 17.32 | 7.19 | 16.12 | |
| M | 23 | ☉ | 11.25 | 18.43 | 7.20 | 16.11 | |
| D | 24 | ☉ | 12. 6 | 20. 0 | 7.22 | 16.10 | |
| F | 25 | ☉ | 12.35 | 21.18 | 7.23 | 16.10 | |
| S | 26 | ☉ | 12.55 | 22.33 | 7.25 | 16. 9 | |
| 49. Woche. 1. Advents Sonntag | | | | | | | |
| Ev. Vom letzten Gericht Mt 21, 25-33; Ev. Röm 13, 11-14 | | | | | | | |
| S | 27 | ☉ | 13.12 | 23.44 | 7.26 | 16. 8 | |
| M | 28 | ☉ | 13.25 | — | 7.27 | 16. 7 | |
| D | 29 | ☉ | 13.37 | 0.53 | 7.29 | 16. 7 | |
| M | 30 | ☉ | 13.49 | 2. 0 | 7.30 | 16. 6 | |

Brüder! Seht, ich verkünde euch ein Geheimnis: Wir werden zwar alle auferstehen, aber nicht alle umgewandelt werden. In einem Nu, in einem Augenblick, beim letzten Posaunenstoß wird das geschehen, die Posaune wird erschallen, dann werden die Toten auferstehen, unverweslich, und auch wir werden umgewandelt werden. Denn dieses Verwesliche muß die Unverweslichkeit anziehen, und dies Sterbliche die Unsterblichkeit. Wenn aber dies Sterbliche die Unsterblichkeit angezogen hat, dann erfüllt sich das Wort der Schrift: Verklungen ist der Tod im Siege. Tod, wo ist dein Sieg? Tod, wo ist dein Stachel? Der Stachel des Todes ist die Sünde, die Macht der Sünde das Gesetz. Gott aber sei Dank, der uns den Sieg verleiht durch unsern Herrn Jesus Christus.

Epistel von Allerheiligen, 1 Korinther 15, 51 - 57

DEZEMBER

| | | Mond- | Mond- | | Sonne- | | Bemerkungen | |
|--|----|----------------------------------|-------|---------|---------|---------|-------------|---------|
| | | | Lauf | Aufgang | Unterg. | Aufgang | | Unterg. |
| D | 1 | Eligius | ☾ | 14. 1 | 3. 7 | 7.32 | 16. 6 | |
| F | 2 | Bibiana; Pauline, VV | ☾ | 14.15 | 4.15 | 7.33 | 16. 5 | |
| S | 3 | Franz Xaver; Adalbert | ☾ | 14.34 | 5.25 | 7.34 | 16. 5 | |
| 50. Woche. 2. Advents Sonntag | | | | | | | | |
| Ev. Die Johannesfrage Mt 11, 2-10; Ep. Röm 15, 4-13 | | | | | | | | |
| S | 4 | Barbara, Nothelferin | ☾ | 14.57 | 6.37 | 7.35 | 16. 4 | |
| M | 5 | Sabbas; Hartwig | ☾ | 15.28 | 7.49 | 7.37 | 16. 4 | |
| D | 6 | Nikolaus, Bischof | ☾ | 16.10 | 8.56 | 7.38 | 16. 3 | |
| M | 7 | Ambrosius, Kirchenlehrer | ☾ | 17. 6 | 9.55 | 7.39 | 16. 3 | |
| D | 8 | Maria Empfängnis | ☾ | 18.14 | 10.41 | 7.40 | 16. 3 | |
| F | 9 | Leokadia; Valeria | ☾ | 19.41 | 11.16 | 7.41 | 16. 3 | |
| S | 10 | Melchisedes; Eulafia; A. Kolping | ☾ | 20.51 | 11.42 | 7.43 | 16. 2 | |
| 51. Woche. 3. Advents Sonntag | | | | | | | | |
| Ev. Das Zeugnis des Täufers Jo 1, 19-28; Ep. Phil 4, 4-7 | | | | | | | | |
| S | 11 | Damasus; Dietrich; Hilburga | ☾ | 22.11 | 12. 3 | 7.44 | 16. 2 | |
| M | 12 | Vigelin; Silvester | ☾ | 23.31 | 12.20 | 7.45 | 16. 2 | |
| D | 13 | Luzia; Odilia | ☾ | — | 12.35 | 7.46 | 16. 2 | |
| M | 14 | Berthold; Franziska (Quat.) | ☾ | 0.52 | 12.50 | 7.47 | 16. 2 | |
| D | 15 | Eusebius; Christiana | ☾ | 2.15 | 13. 6 | 7.47 | 16. 3 | |
| F | 16 | Adelheid (Quat.) | ☾ | 3.41 | 13.26 | 7.48 | 16. 3 | |
| S | 17 | Sturminus (Quat.) | ☾ | 5. 9 | 13.50 | 7.49 | 16. 3 | |
| 52. Woche. 4. Advents Sonntag | | | | | | | | |
| Ev. Bereitet den Weg des Herrn Mt 3, 1-5; Ep. 1 Kor 4, 1-5 | | | | | | | | |
| S | 18 | Maria Erwartung; Hermann | ☾ | 6.38 | 14.25 | 7.50 | 16. 3 | |
| M | 19 | Urban; Thea | ☾ | 8. 0 | 15.13 | 7.50 | 16. 4 | |
| D | 20 | Gottlieb; Leonhard | ☾ | 9. 8 | 16.18 | 7.51 | 16. 4 | |
| M | 21 | Thomas, Apostel; P. Canisius | ☾ | 9.58 | 17.34 | 7.51 | 16. 5 | |
| D | 22 | Jutta; Angelina (Winter-Anf.) | ☾ | 10.32 | 18.54 | 7.52 | 16. 5 | |
| F | 23 | Matthias; Dagobert | ☾ | 10.57 | 20.12 | 7.52 | 16. 6 | |
| S | 24 | Heiliger Abend; Adam u. Eva | ☾ | 11.16 | 21.27 | 7.53 | 16. 6 | |
| 53. Woche. Hochheiligstes Weihnachtsfest | | | | | | | | |
| Ev. Heute ist euch der Heiland geboren. Mt 2, 1-14; Ep. Tit 2, 11-15 | | | | | | | | |
| S | 25 | Weihnachten | ☾ | 11.31 | 22.38 | 7.53 | 16. 7 | |
| M | 26 | Stephanus | ☾ | 11.43 | 23.46 | 7.54 | 16. 7 | |
| D | 27 | Johannes, Evangelist; Fabiola | ☾ | 11.55 | — | 7.54 | 16. 8 | |
| M | 28 | Fest der Unschuldigen Kinder | ☾ | 12. 7 | 0.54 | 7.54 | 16.09 | |
| D | 29 | Thomas v. Canterbury | ☾ | 12.21 | 2. 1 | 7.54 | 16.10 | |
| F | 30 | Lothar; Demina; Sabinus | ☾ | 12.37 | 3.10 | 7.55 | 16.10 | |
| S | 31 | Silvester; Melanie | ☾ | 12.58 | 4.21 | 7.55 | 16.11 | |

Der Engel aber sprach zu ihnen: „Fürchtet euch nicht. Denn seht, ich verkünde euch eine große Freude, die allem Volke zuteil wird: Heute ist euch in der Stadt Davids der Heiland geboren worden, Christus, der Herr. Dies soll euch ein Zeichen sein: Ihr werdet ein Kind finden, das in Windeln gewickelt ist und in einer Krippe liegt.“
 Als bald gefellte sich zu dem Engel eine große himmlische Heerschar, die Gott lobte und sang: „Ehre sei Gott in der Höhe und Friede den Menschen auf Erden, die guten Willens sind.“

Aus dem Evangelium vom hohen Weihnachtsfest, Lukas 2, 10-14